जनजातियां (TRIBES)

Dr.Santosh Kumari

Associate professor &Head

Department Of Sociology

J.K.P.P.G.College, Muzaffarnagar

जनजाति का अर्थ एवं परिभाषा :

गोत्र का एक विस्तृत स्वरूप जनजाति है। यह खानाबदोशी जत्थे, झुंड, गोत्र से अधिक विस्तृत एवं संगठित होती है। जनजातियों को आदिम समाज, आदिवासी वन्य जाति एवं अनुसूचित जनजाति आदि नामों से पुकारा जाता है। डॉ.घुरिये इनके लिए पिछड़े हिंदू शब्द का प्रयोग करते थे।

रिवर्स के अनुसार- "जनजाति एक ऐसा सरल प्रकार का सामाजिक समूह है जिसके सदस्य एक सामान्य भाषा का प्रयोग करते हैं तथा युद्ध आदि सामान्य उद्देश्यों के लिए सम्मिलित रूप से कार्य करते हैं।"

हाँबल के अनुसार- " एक जनजाति एक सामाजिक समूह है जो एक विशेष भाषा बोलता है तथा एक विशेष संस्कृति रखता है जो उन्हें दूसरे जनजाति समूहों से पृथक करती है। यह अनिवार्य रूप से राजनैतिक संगठन नहीं है।

मजूमदार के अनुसार- " एक जनजाति परिवारों या परिवारो के समूह का एक संकलन होता है जिसका एक सामान्य नाम होता है,, जिसके सदस्य एक निश्चित भू-भाग पर रहते हैं,, समान भाषा बोलते हैं और विवाह व्यवसाय या उद्योग के विषय में निश्चित निषेधात्मक नियमों का पालन करते हैं और पारस्परिक कर्तव्यों की एक सुविकसित व्यवस्था को मानते हैं।"

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि **एक जनजाति एक ऐसा क्षेत्रीय मानव समूह है जिसकी एक सामान्य संस्कृति, भाषा, राजनैतिक संगठन एवं व्यवसाय होता है तथा जो सामान्यत अंतर्विवाह के नियमों का पालन करता है।**

जनजाति की विशेषताएं :

1. सामान्य भू-भाग
2. सामान्य भाषा
3. विस्तृत आकार
4. अंतर्विवाह
5. एक नाम
6. सामान्य संस्कृति
7. आर्थिक आत्मनिर्भरता
8. राजनीतिक संगठन
9. सामान्य निषेध

जनजातियों का वर्गीकरण

भौगोलिक वर्गीकरण

- उत्तर तथा उत्तरी पूर्वी क्षेत्र
- मध्यवर्ती क्षेत्र
- दक्षिणी क्षेत्र

प्रजातीय वर्गीकरण

- नीग्रिटो
- आदि- आगनेय
- मंगोल

भाषा के आधार पर वर्गीकरण

- द्रविड़ भाषा परिवार
- ऑस्ट्रिक भाषा परिवार
- चीनी - तिब्बती भाषा परिवार

आर्थिक वर्गीकरण

- शिकार करने एवं संकलन शील अर्थव्यवस्था वाली जनजातियां
- पशु पालक जनजातियां
- कृषि करने वाली जनजातियां
- उद्योगों में लगी हुई जनजातियां

सांस्कृतिक वर्गीकरण

राज्यो मे जनसंख्या के आधार पर वर्गीकरण

अनुसूचित जनजातियों की वर्तमान समस्याएं

1. दुर्गम निवास स्थान- एक समस्या
2. सांस्कृतिक संपर्क की समस्या
3. आर्थिक समस्याएं
4. सामाजिक समस्याएं
5. स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं
6. शिक्षा संबंधी समस्याएं
7. राजनैतिक चेतना की समस्या
8. एकीकरण की समस्या
9. सबसे कमजोर कड़ी का पता लगाना
10. सीमा प्रांत जनजातियों की समस्याएं

THANKYOU